**Seventeenth Loksabha**

>

Title: Regarding increasing the capacity of transformers for these farmers who use tubwels for farming.

**कुंवर दानिश अली** (**अमरोहा**): सभापति महोदय, आपने मुझे आख़िर में कम से कम बोलने का मौका दिया, बैलेट में मेरा नाम सबसे ऊपर तीसरे नंबर पर था । मैं एक महत्वपूर्ण मुद्दा यहाँ उठाना चाहता था । कल मान्यवर कांशीराम जी की 88 जयंती थी । उन्होंने बहुजन समाज को इकट्ठा करके जागरूक करने का काम किया । हमारी यह माँग है कि उनको 'भारत रत्न ' दिया जाना चाहिए । मैं कल भी यह बात उठाना चाहता था । मैं विषय पर आना चाहता हूँ । मुझे उम्मीद है कि सरकार इसको ध्यान में लेगी और मान्यवर कांशीराम जी को 'भारत रत्न 'से अवार्ड करेगी ।

सभापति महोदय, मेरा जो विषय है, वह यह है कि मेरे क्षेत्र में बिजली के तार हैं । आप एन.एच. 9 पर जाते होंगे, वहाँ नेशनल हाइवे बन गया है । उस नेशनल हाइवे के ऊपर पावर ग्रिड कॉरपोरेशन की बड़ी लाइन जा रही है । उस लाइन से किसी भी वक्त हादसा हो सकता है । कभी हाइवे उसको खोल देता है । जब ब्रिजघाट में मेला लग रहा था, उस वक्त इसलिए नहीं खोला कि ऊपर से लाइन जा रही है । कल जब मैं क्षेत्र में जा रहा था तो मैंने देखा कि वहाँ ट्रैफिक चल रही है ।

वहां किसी भी वक्त दुर्घटना हो सकती है । मेरी आपके माध्यम से सरकार से मांग है कि डिपार्टमेंट को आप निर्देशित करें । मेरे लोक सभा क्षेत्र में जो जर्जर तार हैं, उनको बदलने का काम किया जाए । कई जगह रोज दुर्घटनाएं होती हैं, तार गिर जाते हैं । खास तौर से किसानों की जो मांग है, उनके जो ट्यूबवेल्स के ऊपर कनेक्शंस होते हैं, वहां ट्रांसफार्मर्स कम कैपेसिटी के हैं । कहीं 63 का ट्रांसफार्मर है, जबकि 100 की डिमांड है, लेकिन इसकी पूर्ति नहीं हो पा रही है । हमने कई बार यह डिमांड की है कि क्षमता में वृद्धि की जाए ।

मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करूंगा कि कृषि क्षेत्र में जो ट्यूबवेल्स किसान चलाते हैं, उनके यहां ट्रांसफार्मर्स की क्षमता में वृद्धि की जानी चाहिए ।